इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी

व

हरियाणा कला परिषद

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी राव तुलाराम जी की स्मृति में

चौथा राज्य स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव

22 सितंबर, 2026 (मंगलवार)

राव तुलाराम जी (1825-1863)

- लोकगीत/रागनी प्रतियोगिता
- भाषण - कविता प्रतियोगिता
- हरियाणवी डांस प्रतियोगिता
- चित्रकला-रील प्रतियोगिता

आयोजक:

राव तुलाराम पीठ एवं छात्र कल्याण विभाग

रेवाड़ी के विषय में:-

रेवाड़ी दक्षिणी हरियाणा के प्रसिद्ध शहरों में से एक है। यह भगवान श्री कृष्ण के अनुयायी यदुवंशियों से जुड़ा ऐतिहासिक स्थान है। करीब 5500 वर्ष पूर्व यहां के शासक राजा रेवत थे। राजा अपनी बेटी रेवती को प्यार से रेवा कहते थे। राजकुमारी रेवती का विवाह भगवान श्री कृष्ण के भाई बलराम दाऊ से हुआ था और विवाह के समय यह नगर उन्हें दहेज में दिया था। रेवाड़ी को पहले रेवा-वाड़ी कहा जाता था, जो बाद में समय के साथ बदलकर रेवाड़ी हो गया। रेवाड़ी शहर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से 80 किलोमीटर तथा हरियाणा राज्य की राजधानी चंडीगढ़ से 300 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। यह शहर रेलवे और राष्ट्रीय महा राजमार्गों के माध्यम से भारत के सभी हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। ऐतिहासिक शहर रेवाड़ी वीर क्रांतिकारी राव तुलाराम की कर्मभूमि रही है। प्राचीन काल से भी पीतल उद्योग यहां का प्रमुख व्यवसाय रहा है। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रामगढ़ मार्ग पर रेवाड़ी शहर से 15 किलोमीटर दूरी पर मीरपुर गांव में स्थित है।

विश्वविद्यालय के विषय में:-

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय का नाम पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया है। विश्वविद्यालय अधिनियम 2013 की संख्या 29 के तहत स्थापित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित है। अत्याधुनिक इमारत के साथ स्थापित विश्वविद्यालय लगभग 100 एकड़ भूमि में हरे भरे क्षेत्र में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। इसमें लगभग 24 संकाय है। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ-साथ पद्धतिगत विश्लेषण और अनुसंधान पर व्यावहारिक अनुप्रयोग, व्यावहारिक प्रशिक्षण, वैश्विक और औद्योगिक प्रासंगिकता और उसके सामाजिक महत्व के माध्यम से छात्रों को तैयार करने में विश्वास रखता है। विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर विभिन्न प्रकार के रोजगार परक एवं व्यावसायिक विकल्प देना, शोध कार्यों को बढ़ावा देना और श्रेष्ठ नागरिकों का निर्माण करना है।

हरियाणा कला परिषद के विषय में:-

हरियाणा कला परिषद हरियाणा की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए कार्यरत एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक संस्था है। परिषद प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, लोक कलाओं, संगीत, नृत्य, नाटक एवं साहित्य को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करती है।

परिषद द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, नाट्य प्रस्तुतियों, लोक कला समारोहों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य हरियाणा की पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ना तथा राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणवी संस्कृति की पहचान को और सुदृढ़ करना है। हरियाणा कला परिषद प्रदेश की लोक संस्कृति और कलाकारों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य कर रही है।

राव तुलाराम पीठ के विषय में:-

राव तुलाराम पीठ की स्थापना इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में सन् 2016 में की गई। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी राव तुलाराम के नाम से स्थापित यह पीठ दक्षिण हरियाणा के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को संजोने, संरक्षित करने व इन पर होने वाले शोध को प्रोत्साहित करती है। पीठ प्रतिवर्ष 23 सितंबर को अमर सेनानी राव तुलाराम के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय उत्सव का आयोजन करती है। इसी के साथ 9 दिसंबर को पीठ के द्वारा राव तुलाराम का जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया जाता है।

अमर सेनानी राव तुलाराम के विषय में:-

राव तुलाराम सिंह का जन्म 9 दिसंबर 1825 को रेवाड़ी के राजा राव पूरन सिंह व ज्ञान कौर के यहाँ हुआ था। राव तुलाराम एक महान योद्धा और स्वतंत्रता सेनानी थे। वह हरियाणा में 1857 के भारतीय विद्रोह के नेताओं में से एक थे, जहाँ उन्हें राज्य का नायक माना जाता है। 1857 की क्रांति में राव तुलाराम ने खुद को स्वतंत्र घोषित करते हुये राजा की उपाधि धारण कर ली थी। 1857 के विद्रोह काल मे, हरियाणा के दक्षिण-पश्चिम इलाके (अहीरवाल) से सम्पूर्ण बिटिश हुकूमत को अस्थायी रूप से उखाड़ फेंकने तथा दिल्ली के ऐतिहासिक शहर में विद्रोही सैनिको की, सैन्य बल, धन व युद्ध सामाग्री से सहता प्रदान करने का श्रेय राव तुलाराम को जाता है। 16 नवम्बर 1857 को, उन्होंने स्वयं ब्रिटिश सेना से नसीबपुर- नारनौल में युद्ध किया, और ब्रिटिश सेना को कड़ी टक्कर दी तथा ब्रिटिश सेना के कमांडर जेरार्ड और कप्तान वालेस को मौत के घाट उतर दिया। अंग्रेजों से भारत को मुक्त कराने के उद्देश्य से एक और युद्ध लड़ने हेतु मदद के लिए उन्होंने भारत छोड़ा तथा ईरान और अफगानिस्तान के शासकों से मुलाकात की, रूस के ज़ार के साथ सम्पर्क स्थापित करने की उनकी योजनाएँ थीं। इसी मध्य 37 वर्ष की आयु में 23 सितंबर 1863 को काबुल में पेचिश से उनकी मृत्यु हो गई। हर वर्ष 23 सितम्बर को हरियाणा में उनकी याद में शहीदी दिवस मनाया जाता है। 23 सितम्बर 2001

को भारत सरकार ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी महाराजा राव तुलाराम की स्मृति में डाक टिकट जारी किया था।

सांस्कृतिक महोत्सव के विषय में:-

राव तुलाराम पीठ द्वारा प्रतिवर्ष सितंबर माह में अमर सेनानी राव तुलाराम की स्मृति में एक राज्य स्तरीय उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में प्रदेश के विद्यार्थी बड़ी संख्या में हिस्सा लेते है। इस वर्ष आयोजन में विद्यार्थियों के साथ साथ पेशेवर कलाकारों को भी महोत्सव में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया है। जिसमे विजेताओं को साथ स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

महोत्सव की प्रतियोगिताएँ:-

1. हरियाणवी रागिनी/लोकगीत प्रतियोगिता
2. हरियाणवी एकल नृत्य (पुरुष)
3. हरियाणवी एकल नृत्य (महिला)
4. चित्रकला प्रतियोगिता
5. रील/यूट्यूब शॉर्ट मेकिंग प्रतियोगिता
6. भाषण प्रतियोगिता
7. कविता प्रतियोगिता

नोट: सभी प्रतियोगिताएँ तीन अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित की जाएँगी:

(1) प्रोफेशनल, (2) सीनियर विद्यार्थी एवं (3) जूनियर विद्यार्थी।

प्रतियोगिता श्रेणियां:-

1. **Professional (पेशेवर):-** इस श्रेणी में कोई भी पेशेवर कलाकार भाग ले सकता है।
2. **Senior Students (वरिष्ठ विद्यार्थी):-** इस श्रेणी में भाग लेने के लिए प्रतिभागी किसी महाविद्यालय/विश्वविद्यालय आदि का नियमित छात्र/छात्रा होने चाहिए, जिनकी आयु 25 वर्ष से कम उम्र की है। अगर किसी विद्यार्थी की आयु 25 वर्ष से अधिक है तो वे पेशेवर की श्रेणी में भाग ले सकते है।
3. **Junior Students (कनिष्ठ विद्यार्थी):-** इस श्रेणी में भाग लेने के लिए प्रतिभागी किसी विद्यालय का नियमित छात्र/छात्रा होने चाहिए

प्रतियोगिताओं के विषय (थीम):-

1. **हरियाणवी एकल नृत्य (पुरुष):-** हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति/इतिहास/सैनिक परंपरा
2. **हरियाणवी एकल नृत्य (महिला):-** हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति/इतिहास/सैनिक परंपरा
3. **रागिनी/ लोकगीत:-** शहीद शिरोमणि राव तुलाराम का जीवन/संग्राम/बलिदान
4. **चित्रकला/पेंटिंग:-** नसीबपुर का युद्ध/शहीद शिरोमणि राव तुलाराम का जीवन/संग्राम/बलिदान
5. **रील/यूट्यूब शार्ट प्रतियोगिता:-** नसीबपुर का युद्ध/शहीद शिरोमणि राव तुलाराम का जीवन/संग्राम/बलिदान/ उनसे जुड़े स्मारक, ईमारत आदि
6. **भाषण/कविता प्रतियोगिता:-** नसीबपुर का युद्ध/शहीद शिरोमणि राव तुलाराम का जीवन/संग्राम/बलिदान

प्रतियोगिताओं के नियम:-

1. हरियाणवी एकल नृत्य (पुरुष और महिला)

1. प्रत्येक प्रस्तुति में अधिकतम 2 प्रतिभागी हो सकते हैं—1 नर्तक/नर्तकी एवं 1 गायक।
2. संगीतकारों की अधिकतम संख्या 4 होगी।
3. प्रस्तुति की अवधि न्यूनतम 4 मिनट एवं अधिकतम 6 मिनट होगी।
4. वाद्य यंत्रों की व्यवस्था एवं स्टेज सेटिंग के लिए अधिकतम 5 मिनट का समय निर्धारित होगा।
5. प्रस्तुति के लिए लाइव संगीत अथवा रिकॉर्डेड संगीत, दोनों मान्य होंगे। यदि रिकॉर्डेड संगीत का प्रयोग किया जाता है, तो साथ में लाइव संगीतकारों की अनुमति नहीं होगी।
6. हरियाणवी नृत्य प्रतियोगिता में प्रस्तुति केवल पारंपरिक हरियाणवी वेशभूषा में ही स्वीकार्य होगी।
7. हरियाणवी एकल नृत्य प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग श्रेणियाँ होंगी।

2. रागिनी / हरियाणवी लोकगीत

1. प्रस्तुति हरियाणवी रागिनी अथवा हरियाणवी लोकगीत पर आधारित होनी चाहिए।
2. प्रस्तुति की अवधि न्यूनतम 3 मिनट एवं अधिकतम 5 मिनट होगी।
3. प्रस्तुति में लाइव संगत अथवा रिकॉर्डेड कराओके ट्रैक का प्रयोग किया जा सकता है।

4. अधिकतम 3 संगीतकारों की अनुमति होगी।
5. प्रस्तुति का मूल्यांकन मुख्यतः ताल, लय, रचना, गायन, भाव-प्रस्तुति एवं समग्र प्रभाव के आधार पर किया जाएगा।

3. चित्रकला प्रतियोगिता

1. सभी प्रतिभागियों को अपनी पेंटिंग शीट स्वयं लानी होगी। शीट का आकार न्यूनतम 24×18 इंच होना चाहिए।
2. प्रतिभागी रंग, ब्रश तथा चित्रकला से संबंधित अन्य आवश्यक सामग्री स्वयं साथ लेकर आएंगे।
3. प्रोफेशनल प्रतिभागियों के लिए प्रतियोगिता की अधिकतम अवधि 7 घंटे होगी। प्रतियोगिता प्रातः 9:00 बजे प्रारम्भ होगी।
4. विद्यार्थी प्रतिभागियों के लिए प्रतियोगिता की अधिकतम अवधि 4 घंटे होगी। प्रतियोगिता प्रातः 10:00 बजे प्रारम्भ होगी।
5. निर्धारित समय समाप्त होने के बाद किसी भी प्रतिभागी को चित्रकला में अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।

4. Reel/YouTube Short Making Competition

1. प्रत्येक टीम में अधिकतम 3 प्रतिभागी हो सकते हैं।
2. प्रतिभागी अपनी Instagram Reel/YouTube Short प्रतियोगिता से पूर्व तैयार करके लाएंगे तथा पंजीकरण डेस्क पर संबंधित Reel/YouTube Short का लिंक उपलब्ध कराएंगे।
3. Reel/YouTube Short का विषय अमर शहीद राव तुलाराम के जीवन, संघर्ष, बलिदान, व्यक्तित्व एवं योगदान से संबंधित होना चाहिए। यह उनके जीवन से जुड़ी किसी इमारत, स्मारक, प्रतिमा, ऐतिहासिक स्थल या अन्य विरासत पर भी आधारित हो सकती है।
4. Reel/YouTube Short में तथ्यात्मक एवं ऐतिहासिक रूप से सही जानकारी का प्रयोग किया जाना चाहिए।
5. प्रस्तुति में मौलिकता, रचनात्मकता, विषय की प्रासंगिकता, प्रस्तुतीकरण की गुणवत्ता एवं दर्शकों पर प्रभाव को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन किया जाएगा।

6. किसी अन्य व्यक्ति/संस्था की सामग्री का अनधिकृत उपयोग, कॉपी-पेस्ट सामग्री अथवा कॉपीराइट का उल्लंघन स्वीकार्य नहीं होगा।
7. प्रतिभागियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि Reel/YouTube Short का लिंक प्रतियोगिता के दौरान सार्वजनिक रूप से उपलब्ध एवं सक्रिय रहे।

5. भाषण प्रतियोगिता

1. भाषण की अवधि न्यूनतम 3 मिनट एवं अधिकतम 5 मिनट होगी।
2. प्रतिभागी को निर्धारित विषय पर स्वतंत्र रूप से भाषण प्रस्तुत करना होगा।
3. प्रतिभागी द्वारा भाषण में मौलिकता, विषय-वस्तु, भाषा-शैली, प्रस्तुतीकरण, आत्मविश्वास एवं प्रभावशीलता को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन किया जाएगा।
4. निर्धारित समय-सीमा का पालन करना अनिवार्य होगा। समय-सीमा समाप्त होने के पश्चात अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।

6. कविता प्रतियोगिता

1. कविता प्रस्तुति की अवधि न्यूनतम 3 मिनट एवं अधिकतम 5 मिनट होगी।
2. मौलिक एवं नवीन रचनाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।
3. यदि कोई प्रतिभागी किसी अन्य कवि की पूर्व-रचित कविता प्रस्तुत करता है, तो उसे प्रस्तुति के प्रारम्भ में कविता के लेखक/कवि का नाम एवं रचना का संक्षिप्त परिचय अवश्य देना होगा।
4. प्रतिभागियों का मूल्यांकन मुख्यतः कविता की भावपूर्ण प्रस्तुति, भाषा-शैली, उच्चारण, लय, विषय-वस्तु, मौलिकता एवं प्रभाव के आधार पर किया जाएगा।

पंजीकरण:-

- **महोत्सव में पंजीकरण निःशुल्क है।** प्रतिभागी नीचे दिए गए QR Code अथवा Registration Link के माध्यम से अपना पंजीकरण कर सकते हैं:

  https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdszOCSLaXHsQ3ls3i3rSOLx0vfmJxzynNSEG8QACdeOyJFng/viewform?usp=dialog

- पंजीकरण के पश्चात सभी प्रतिभागियों को **22 सितम्बर को प्रातः 9:30** बजे **कल्पना चावला सभागार** में अनिवार्य रूप से रिपोर्ट करना होगा। इसके लिए प्रतिभागियों को अलग से कोई सूचना नहीं दी जाएगी।
- पंजीकरण के बाद आयोजकों की ओर से महोत्सव से संबंधित सभी आवश्यक सूचनाएँ केवल ई-मेल के माध्यम से प्रतिभागियों को भेजी जाएँगी। अतः प्रतिभागी पंजीकरण के समय अपना सही एवं सक्रिय ई-मेल आईडी अवश्य दर्ज करें।
- **सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र के साथ पदक एवं ट्रॉफी भी प्रदान की जाएगी।**

अधिक जानकारी के लिए प्रतिभागी dean.dsw@igu.ac.in पर ई-मेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।